छाया मत छूना

Question 1.
'चंद्रिका' का प्रतिकार्थ है..........।
(a) जीवन के सुखद क्षण
(b) चाँदनी
(c) उजाला
(d) सत्य का आभास

▼ Answer

Answer: (a) जीवन के सुखद क्षण!

Question 2.
'कृष्णा' शब्द जीवन के किस पक्ष को उजागर करता है ?
(a) उज्ज्वल पक्ष
(b) सुखद पक्ष
(c) दुःखद पक्ष
(d) इनमें से कोई नहीं

▼ Answer

Answer: (c) दुःखद पक्ष
जीवन का दुखद पक्ष।

Question 3.
यथार्थ कठिन क्या है ?
(a) जीवन का भ्रम
(b) जीवन की कड़वी सच्चाई
(c) आदर्शवादी लोग
(d) यथार्थवाद

▼ Answer

Answer: (b) जीवन की कड़वी सच्चाई।

Question 4.
इस कविता की भाषा .... है।
(a) खड़ी बोली
(b) प्रतीकात्मक
(c) लाक्षणिक
(d) उपर्युक्त सभी

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी
लाक्षणिक एवं प्रतीकात्मक प्रयोग लिए खड़ी बोली।

ISC COACHING CENTRE

Question 5.
'दुविधा-हत साहस' क्या है ?
(a) दुविधा में पड़ना
(b) साहस से काम लेना
(c) ऐसा साहस जो दुविधा से ग्रसित हो
(d) साहसहीन जीवन

▼ Answer

Answer: (c) ऐसा साहस जो दुविधा से ग्रसित हो
साहस होते हुए भी उसका दुविधाग्रस्त होना।

Question 6.
पंथ कब दिखाई नहीं देता ?
(a) जब व्यक्ति की नजर कमजोर हो
(b) जब व्यक्ति दुविधाग्रस्त हो
(c) जब मार्ग अस्पष्ट हो
(d) जब वह दो राहे पर खड़ा हो

▼ Answer

Answer: (b) जब व्यक्ति दुविधाग्रस्त हो
पंथ दुविधाग्रस्त होने पर दिखाई नहीं देता।

Question 7.
'दुःख है न चाँद खिला शरद रात के आने पर .... जाने पर' पंक्तियों में निम्नलिखित किस लोकोक्ति का अर्थ निहित है ?
(a) का वर्षा जब कृषि सुखानी
(b) बीती ताहि बिसार दे आगे की सुध लेय
(c) न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी
(d) नाच न जाने आँगन टेढ़ा

▼ Answer

Answer: (a) का वर्षा जब कृषि सुखानी।

Question 8.
भविष्य वरण से कवि का क्या तात्पर्य है ?
(a) आगे बढ़कर भविष्य का वरण करना
(b) अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ना
(c) भविष्य में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए तत्पर रहना
(d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं
आगे बढ़कर अपने लक्ष्यों को प्राप्त करना।

ISC COACHING CENTRE

Question 9.
छाया छूने का प्रतीकार्थ समझाइए।
(a) छाया को छूने का प्रयास
(b) स्मृतियों को ताजा करना
(c) भ्रम में पड़ना
(d) जीवन को दुःखी बनाना

▼ Answer

Answer: (b) स्मृतियों को ताजा करना
स्मृतियों को ताजा करके दुःखी होना।

Question 10.
'छाया मत छूना' कविता में कौन-सा गुण है ?
(a) माधुर्य गुण
(b) ओज गुण
(c) प्रसाद गुण
(d) इनमें से कोई नहीं

▼ Answer

Answer: (c) प्रसाद गुण।

Question 11.
गिरिजाकुमार माथुर का जन्म कब हुआ ?
(a) सन् 1920 में
(b) सन् 1918 में
(c) सन् 1916 में
(d) सन् 1914 में

▼ Answer

Answer: (b) सन् 1918 में
गिरिजा कुमार माथुर का जन्म सन् 1918 में मध्य प्रदेश राज्य के गुना नामक स्थान पर हुआ।

Question 12.
वे प्रमुख रूप से .... कवि माने जाते हैं।
(a) छायावादी
(b) प्रगतिवादी
(c) प्रयोगवादी
(d) रीतिकालीन कवि

▼ Answer

Answer: (c) प्रयोगवादी
वे प्रमुख रूप से प्रयोगवादी कवि थे।

JSC COACHING CENTRE

Question 13.
कवि छाया छूने से क्यों मना करता है ?
(a) छाया भ्रम होती है
(b) छाया काली होती है
(c) छाया खतरनाक होती है
(d) इससे मन को दूना दुःख होता है

▼ Answer

Answer: (d) इससे मन को दूना दुःख होता है
छाया छूने से मन को दूना दुःख होता है।

Question 14.
'जीवन में सुरंग सुधियाँ सुहावनी' इस पंक्ति में निहित अलंकार है
(a) अनुप्रास
(b) यमक
(c) श्लेष
(d) उपमा

▼ Answer

Answer: (a) अनुप्रास
अनुप्रास अलंकार।

Question 15.
'यामिनी' का अर्थ .... है।
(a) वासर
(b) निशा
(c) काल
(d) वात्याचक्र

▼ Answer

Answer: (b) निशा
यामिनी का अर्थ निशा है।

Question 16.
चित्र गंध से कवि का क्या आशय है ?
(a) चित्रों से आने वाली गंध
(b) रंगों की दुर्गंध
(c) मधुर यादों के साथ उसके आस-पास फैली गंध
(d) मधुर स्मृतियाँ

▼ Answer

Answer: (c) मधुर यादों के साथ उसके आस-पास फैली गंध
चित्रगंध से कवि का आशय मधुर स्मृतियों के आस-पास फैली गंध से है।

ISC COACHING CENTRE

Question 17.
यामिनी बीतने का अर्थ क्या है ?
(a) दुःख के क्षणों का बीत जाना
(b) रात्रि का बीत जाना
(c) सुखद क्षणों का बीत जाना
(d) समय बीत जाना

▼ Answer

Answer: (c) सुखद क्षणों का बीत जाना।

Question 18.
'कुंतल के फूल' का प्रतीकार्थ बताइए।
(a) सुखद घड़ियाँ
(b) दुःख के क्षण
(c) बीता हुआ समय
(d) आने वाला कल

▼ Answer

Answer: (a) सुखद घड़ियाँ।

Question 19.
चाँदनी किसका प्रतीक है ?
(a) प्रकाश का
(b) ज्ञान का
(c) शांति का
(d) सुख की घड़ियों का

▼ Answer

Answer: (d) सुख की घड़ियों का
चाँदनी सुख की घड़ियों का प्रतीक है।

Question 20.
'जितना ही दौड़ा तू, उतना भरमाया है' इस पंक्ति में किस ओर संकेत है ?
(a) धन-वैभव के पीछे दौड़ने के
(b) यश, वैभव, मान, सरमाया सब व्यर्थ का भ्रम है
(c) धन-सम्पत्ति की लालसा निरंतर बढ़ती ही जाती है
(d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं
धन के चक्कर में आदमी निरंतर फँसता ही चला जाता है।

Question 21.
कवि ने मृगतृष्णा का प्रयोग किसके लिए किया है?

ISC COACHING CENTRE

(a) जीवन में प्रभुता पाने की चाह को मृगतृष्णा बताया गया है
(b) मृगतृष्णा जीवन का एक भ्रम है
(c) मृगतृष्णा वह है जो भ्रम की भाँति हमारा पीछा नहीं छोड़ती और हम उसको प्राप्त करने के लिए दौड़ते रहते हैं
(d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं
मृग-तृष्णा वह है जो हमें दिखाई देती है परन्तु वास्तव में होती नहीं।

काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

(1)

छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।
जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी
छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;
तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,
कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।
भूली-सी एक छुअन बनता हर जीवित क्षण-
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।

Question 1.
छाया से कवि का क्या आशय है?
(a) भ्रम
(b) डरावना चित्र
(c) अतीत की स्मृतियाँ
(d) परछाईं

▼ Answer

Answer: (c) अतीत की स्मृतियाँ।

Question 2.
'सुरंग सुधियाँ' से कवि का क्या तात्पर्य है?
(a) बुरी यादें
(b) खुशनुमा यादें
(c) भूली-बिसरी यादें
(d) झकझोर कर देने वाले क्षण

▼ Answer

Answer: (b) खुशनुमा यादें।

Question 3.
'यामिनी' किसका प्रतीक है?
(a) जीवन के मधुर क्षणों का

ISC COACHING CENTRE

(b) जीवन की निराशाओं का
(c) जीवन के विचलित कर देने वाले क्षण
(d) ढलती उम्र का

▼ Answer

Answer: (a) जीवन के मधुर क्षणों का।

Question 4.
भूली-सी एक छुअन का मन पर कैसा असर पड़ता है?
(a) मन प्रसन्न हो जाता है
(b) मन हताश हो जाता है
(c) मन दुःखी हो जाता है
(d) मन प्रायश्चित करने लगता है

▼ Answer

Answer: (c) मन दुःखी हो जाता है।

Question 5.
निम्नलिखित पंक्ति में रूपक अलंकार है
(a) छाया मत छूना मन
(b) होगा दुख दूना
(c) जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी
(d) छवियों की सी चित्र गंध फैली मन भावनी

▼ Answer

Answer: (d) छवियों की सी चित्र गंध फैली मन भावनी
'चित्र गंध' में रूपक अलंकार है। (इन कवियों ने इसे उपमान योजना के अंतर्गत माना है)

---

(2)

यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया;
जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।
प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,
हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।
जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन-
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।

Question 1.
कवि एवं कविता का नाम लिखिए।

▼ Answer

Answer:
संकेत-

ISC COACHING CENTRE

- यश, वैभव, सम्मान आदि
- महत्त्वांकाक्षा पूरी करने के लिए।

Question 2.
प्रभुता के शरण बिंब को कवि ने मृगतृष्णा क्यों कहा

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- मृग पानी के भ्रम में दौड़ता रहता है
- वह भ्रम में फँस जाता है
- मनुष्य भी भ्रम में जीता रहता

Question 3.
हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है। इस पंक्ति का क्या आशय है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- सुख-दुःख जीवन के अभिन्न अंग हैं
- सुख के बाद दुःख और दुःख के बाद सुख का आना जीवन का एक हिस्सा है।

Question 4.
कवि यथार्थ के पूजन की बात क्यों कहता है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- यथार्थ ही वास्तविक जीवन है
- यथार्थ से मुँह मोड़कर अपने आपको धोखा देना है
- यथार्थ जीवन की कड़वी सच्चाई है।

Question 5.
'जितना तू दौड़ा उतना भरमाया है' पंक्ति का भाव क्या

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- मृगतृष्णा मनुष्य को टिकने नहीं देती
- मनुष्य जीवन को सुखद बनाने के लिए दौड़ता रहता है
- सुखद के स्थान पर उसका जीवन दुःखद हो जाता है।

ISC COACHING CENTRE

(3)

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं,
देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं।
दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,
क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?
जो न मिला भूल उसे कर तू भविष्य वरण,
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।

Question 1.
'दुविधा-हत साहस' कैसा होता है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- साहस होते हुए भी दुविधाग्रस्त रहना
- अनिर्णय की स्थिति होना।

Question 2.
देह सुखी होने से कवि का क्या आशय है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- भौतिक सुखों की प्राप्ति
- धन-दौलत से मुक्त होना
- वास्तविक सुख मन की शांति में होता है।

Question 3.
कवि ने 'शरद रात' व 'वसंत' का प्रयोग किस रूप में किया है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- प्रतीकात्मक रूप में
- जीवन के सुखद पक्ष को प्रकट करने के लिए।

Question 4.
जीवन में दुःख के क्या-क्या कारण हैं ?

▼ Answer

ISC COACHING CENTRE

Answer:
संकेत-

- अत्यधिक महत्त्वाकांक्षा
- धनलिप्सा
- जीवन के सुखद पक्ष को याद करना।

Question 5.
कवि इन पंक्तियों में क्या संदेश देता है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत-

- भूली-बिसरी बातों को याद मत करो
- जो कुछ मिलता है, उसको अपनाओ
- जीवन में यथार्थ को स्वीकार करो।

लघूत्तरीय प्रश्न

Question 1.
कवि ने कठिन यथार्थ के पूजन की बात क्यों की है?

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- यथार्थ स्वीकार करने पर सत्य का ज्ञान होता है
- जीवन में आगे बढ़ने के लिए यथार्थ का सामना करना चाहिए
- यथार्थ को ठुकराकर दु:ख ही मिलेंगे।

Question 2.
कवि छाया को छूने से क्यों मना करता है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- छाया छूने से पुराने दिन याद आ जाते हैं
- पुरानी यादें दुखदाई हो सकती हैं।

Question 3.
हमारा दुःख कब बढ़ जाता है ?

▼ Answer

ISC COACHING CENTRE

Answer:
संकेत बिंदु :

- जब हम पुरानी बातों को याद करते हैं
- जब हम जीवन में बहुत अपेक्षाएँ करने लगते हैं।

Question 4.
'भूली-सी एक छुअन बनता हर जीवित क्षण' इस पंक्ति में कवि किस ओर संकेत करता है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- गुदगुदाने वाली सुखद स्मृतियों की ओर
- सुखद स्मृतियाँ दुख को बढ़ा देती हैं।

Question 5.
दुविधाओं का साहस पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- दुविधा में पड़कर मनुष्य साहस खो देता है
- दुविधाग्रस्त व्यक्ति जीवन में पिछड़ जाता है
- समर्थ होते हुए भी वह कुछ नहीं कर पाता।

Question 6.
भाव स्पष्ट कीजिए-
प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है।
हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है ॥

▼ Answer

Answer:
संकेत बिंदु :

- कोई व्यक्ति कभी प्रभुता को प्राप्त नहीं कर सकता
- सुख-दुख जीवन के दो अभिन्न अंग हैं, ये जीवन में आते ही रहते हैं।

ISC COACHING CENTRE